



The Forerunner

A newsletter of RTI, Nagpur, Indian Audit and Accounts Department

Fighting Fraud thru' Training

Twenty Fifth Issue

Oct. '19 - Sep. '20

2020

महानिदेशक के पटल से

आप सभी स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल होंगे ऐसी मैं आशा करती हूँ।

इस संस्थान में “राज्य राजस्व लेखापरीक्षा” और “केंद्रीय राजस्व लेखापरीक्षा (स्थानांतरण मूल्यांकन सहित)” के ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करते हुए वर्ष 2019-2020 के दौरान और अभी तक विभिन्न पाठ्य सामग्रियों का विकास हुआ और वितरण किया गया है। यह सामग्री संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

गत छः महीनों के दौरान कोरोना माहमारी को देखते हुए संस्थान द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय सलाहाकार समिति की विशेष बैठक और मध्यावधी बैठकों का आयोजन भी ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

संस्थान द्वारा नियमित अंतराल पर होने वाली बैठकों/परिचर्चा जैसे हिन्दी कार्यशाला, हिन्दी तिमाही बैठक का आयोजन माइक्रोसॉफ्ट टीम के माध्यम से किया गया।

संस्थान की नई वेबसाइट का परिचालन अक्तूबर 2020 में प्रारंभ हुआ जो नये रंगरूप कलेवर में प्रस्तुत है।

अंत में यह कामना करती हूँ कि इस 'फोररनर' समाचार में प्रकाशित लेख आपका ज्ञानवर्धन करेंगे और कोई प्रतिक्रिया होगी तो संस्थान को कृपया सूचित करेंगे।

सादर



शीला म. जोग

In this Issue

- From Director General's Desk
 - Memorable Moments Unfolded
 - Evaluation of Training
 - Impact of Training
 - Our Toppers
 - Faculty Column
- Revenue Costing
Fraud Trangle

Our Products



The Mandate

Headquarter has declared this institute as a Knowledge Resource Centre in 'Central Revenue Audit including Transfer Pricing' in April 2015 and 'State Revenue Audit' in May 2020 with a mandate to act as a repository of information on the subject through developing quality Reading Material, Case Studies (National and International), Research Papers and database of expert faculty and media reports. Significant development in the matter are reported through a newsletter for information to the user offices and sister Institute.

यादगार लम्हे **MEMORABLE MOMENTS UNFOLDED**



DG with participants of All India Workshop on Anti-Fraud Framework & Digital Forensic



DG with participants of All India Workshop on Soft Skills Development



**DG with the members of RAC Meeting
14 February 2020**

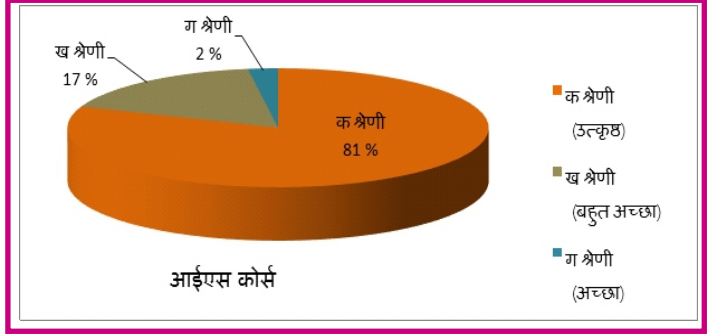
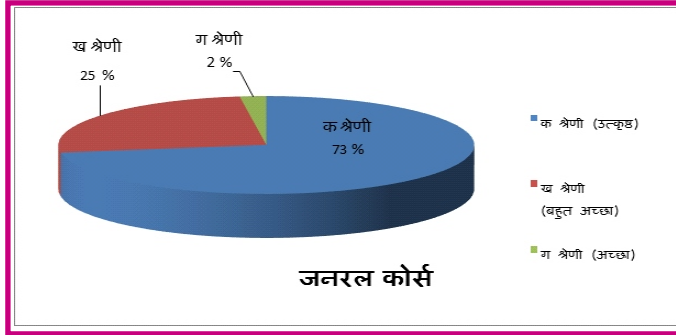


**Inauguration of outdoor recreational activities by Chairperson and members of RAC Meeting
14 February 2020**

प्रशिक्षण का मूल्यांकन (EVALUATION OF TRAINING)

प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया के आधार पर प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन किया जाता है एवं उस पाठ्यक्रम को ग्रेड दिया जाता है। नीचे दशाये गये चार्ट में IS Based एवं General पाठ्यक्रमों के ग्रेड को दर्शाया गया है।

अक्तुबर 2019 से सितम्बर 2020 के दौरान आयोजित पाठ्यक्रमों की रेटिंग

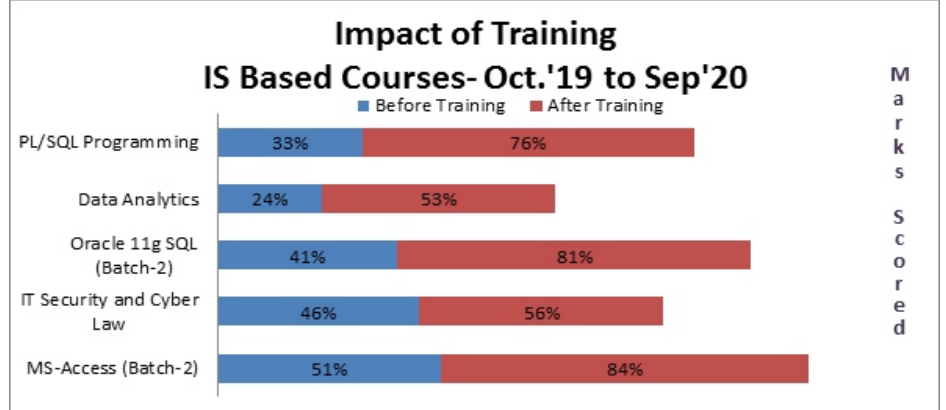


प्रशिक्षण का प्रभाव (Impact of Training)

प्रशिक्षण का प्रभाव

एंट्री व्यवहार परीक्षा (Entry Behavior Test-EBT), संबंधित विषयों में प्रतिभागियों के ज्ञान एवं कौशल के स्तर के मूल्यांकन हेतु IS Based पाठ्यक्रमों की शुरूआत में आयोजित की जाती है। उसी पाठ्यक्रमों के आधार पर कोर्स समाप्ति टेस्ट End Course Test (ECT) का भी आयोजन किया जाता है। प्रत्येक प्रतिभागी के लिए उनके (EBT) एवं (ECT) के परिणामों की तुलना की जाती है जिससे उनपर प्रशिक्षण के प्रभाव की गणना की जा सके। अक्तुबर 2019 से सितम्बर 2020 के बीच आयोजित पाठ्यक्रमों के संबंध में प्रशिक्षण के प्रभाव को दर्शानेवाला चार्ट साथ में दिया जा रहा है।

Impact of Training IS-Based Courses from Oct.'19 to Sep.'20



सामग्री हेतु हमें संपर्क करें :

Contact us for material

e-mail : rtinagpur@cag.gov.in

Ph. (0712) 2545420, 2545816, 2545829

Fax : 0712 - 2562577, Hostel - 2552252

Web : <http://rtinagpur.cag.gov.in>

हमारे अक्वल प्रशिक्षणार्थी (OUR TOPPERS)



इस संस्थान में प्रत्येक प्रशिक्षण के अंत में एक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाती है। परीक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करनेवाले परिक्षणार्थियों की सूची नीचे दर्शायी गयी है। परिक्षणार्थियों की रूची एवं प्रेरणा स्तर को बनाए रखने के लिए उन्हें टोकन स्मृति चिन्ह और योग्यता प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया गया। उन के कार्यालयों को भी उसके बारे में सूचित किया गया।

आई.एस. कोर्स (IS Courses)	माह एवं वर्ष	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान
एम.एस. एक्सेस (बैंच-2)	अक्तुबर-19	श्री आशीष कुमार, डाटा एंट्री ऑपरेटर निदेशक, डाक एवं दुरसंचार लेखापरीक्षा, भोपाल	श्री आशीष कुमार, डाटा एंट्री ऑपरेटर निदेशक, डाक एवं दुरसंचार लेखापरीक्षा, भोपाल
आय.टी. सिक्युरिटी अॅन्ड सायबर लॉ	दिसंबर-19	श्री प्रल्हाद सिंह राजपूत, स.ले.प.अ. महालेखाकार (लेखापरीक्षा), छत्तीसगढ, रायपुर	श्री चंद्रहास, स.ले.प.अ. महालेखाकार (लेखापरीक्षा), छत्तीसगढ, रायपुर श्री कपिल चन्द्र उप्रेती, स.ले.प.अ. प्रधान महालेखाकार (ले व ह)-I, म.प्र., ग्वालियर
ओरॅकल 11g एस.क्यू.एल. (बैंच-2)	जनवरी-20	श्रीमती पल्लवी गोस्वामी, स.ले.प.अ. निदेशक, डाक एवं दुरसंचार लेखापरीक्षा, नागपुर श्री हरसहाय मीना, स.ले.प.अ. महालेखाकार (लेखापरीक्षा), छत्तीसगढ, रायपुर	श्री विशाल तोमर, सहा. लेखा अधिकारी प्रधान महालेखाकार (ले व ह)-I, म.प्र., ग्वालियर
डाटा एनालिटिक्स	जनवरी-20	श्री रवी रंजन, सहा. लेखापरीक्षा अधिकारी एवं श्री धीरज सिंह चौहान, स.ले.प.अ. महालेखाकार (लेखापरीक्षा), छत्तीसगढ, रायपुर	श्री आशीष कुमार विश्वकर्मा, वरि. लेखापरीक्षक प्र.महालेखाकार (G&SSA), मध्यप्रदेश, ग्वालियर श्री शशांक जैन, वरि. लेखापरीक्षक महालेखाकार (E&RSA), मध्यप्रदेश, भोपाल
पीएल/एसक्यूएल प्रोग्रामिंग	जनवरी-20	सुश्री मिनाक्षी वाजपई, स.ले.प.अ. एवं श्री दिपक कुमार शुक्ला, वरि. लेखापरीक्षक महालेखाकार (लेखापरीक्षा), छत्तीसगढ, रायपुर	श्री अजय सिंह अहिरवार, वरि. लेखापरीक्षक महालेखाकार (E&RSA), मध्यप्रदेश, भोपाल
जनरल कोर्स (General Courses)	माह एवं वर्ष	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान
परफॉर्मेंस ऑडिट	नवंबर-19	श्री आर.के. शर्मा, स.ले.प.अ. महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II, महाराष्ट्र, नागपुर	श्री धीरज सिंह, स.ले.प.अ. महालेखाकार (लेखापरीक्षा), छत्तीसगढ, रायपुर
ऑडिट ऑफ फ्रॉड, फ्रॉड डिटेक्शन टेकनिक्स अॅन्ड फॉरेन्सिक ऑडिट	फरवरी-20	श्रीमती श्रीलता बालसुब्रमनियन, व.ले.प.अ. निदेशक, डाक एवं दुरसंचार लेखापरीक्षा, नागपुर	श्रीमती संध्या बाला, स.ले.प.अ. महानिदेशक लेखापरीक्षा, द.पु.म.रे., बिलासपुर

Continuing Professional Education (CPE)

(अक्तूबर 2019 और सितम्बर 2020 के बीच संस्थान द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण)

नाम	विषय	प्रशिक्षण का स्थान
श्री इंद्र मल, स.ले.प.अ./प्रशा	i) Public Procurement (Basic) Commencing	NIFM, Faridabad
श्री राजेश कुमार, व.ले.प.अ./संकाय	ii) Train the trainers - How to conduct online Training (Online)	OP Jindal Global University, Sonipat, Haryana
श्री संजय गायकवाड, व.ले.प.अ./संकाय	i) Stress and Anxiety Management with special Focus on Performance Enhancement (Online) ii) Train the trainers - How to conduct online Training (Online)	OP Jindal Global University, Sonipat, Haryana
श्री जी.के. ओमी, स.ले.प.अ./संकाय	i) Big Data Analytics ii) Data Insight for Audit (Online) iii) Train the trainers - How to conduct online Training (Online) iv) Cloud Computing - What Auditors need to know (Online)	IIM, Ahmedabad iCISA, Noida OP Jindal Global University, Sonipat, Haryana RTC, Bangalore
श्री एच.के. भुरे, स.ले.प.अ./संकाय	i) Stress and Anxiety Management with special focus on Performance Enhancement (Online) ii) Data Insight for Audit (Online) iii) Train the trainers - How to conduct online Training (Online) iv) Cloud Computing - What Auditors need to know (Online)	OP Jindal Global University, Sonipat, Haryana iCISA, Noida OP Jindal Global University, Sonipat, Haryana RTC, Bangalore

Revenue Costing

To understand Revenue Costing one will require a little knowledge about costing and revenue.

What is Revenue:

Revenue is financial receipt of organizations generated by way of sales and services of their products. To generate more revenues, companies can increase the prices of existing products and services, offer add-on services for an additional price, or introduce new products or services at a higher price point. Companies can also increase revenues by increasing the quantity sold. Firms accomplish this by lowering prices or increasing their marketing efforts to stimulate demand.

What is Costing:

Organizations incur costs in many ways. Costs result from the production of goods, the purchase of inventory, the operating of the business, and the purchase of assets. These costs include the fixed and variable costs associated with production, depreciation and investment costs, and general and administrative costs. Costs also include opportunity costs, sunk costs and marginal costs. Cost analysis identifies and investigates the sources and components of these costs. Cost analysis has several different names, including cost allocation, cost-benefit analysis and cost-effectiveness analysis.

Further, cost analysis helps a company determine the expected costs and benefits of a particular asset, new product, or plan of action before it makes the requisite investment. An in-depth cost analysis can reveal hidden costs embedded in a company's normal way of doing business and the unanticipated costs of certain actions. Identifying and then stripping out costs can help a company increase its profitability and long-term viability. Cost analysis also aids companies in changing their service and product delivery procedures to those that are more cost-efficient and effective.

In general it can be said that the final sale or service cost covers all expenses whether direct or indirect as well as profit of the organization.

How these components will help Govt. in determining charges and fees levied on services offered by the Govt. on public and even their staff. In many aspects it is seen that the charges and fees levied by Govt. is very inadequate as it barely meets the actual expenditure incurred by the Govt.

The most common example which is discussed is grant in aid given to educational institutes towards salary grant after deducting fees received by those institutes, here the fees element comes into picture as it appears to be on very lower side when compared to the grants received from the Govt.

Coming to other examples the rates levied on public is fare levied by Railway's particularly on lower class of accommodation, the passport fees, the fees levied by RTO on driving licence, royalties on mining, the charges levied on Govt. rest houses and holiday homes etc.

The point of discussion in such cases is whether the Govt. does any cost analysis on such services and other earnings so that the losses could be minimized or nullified because it is seen that market cost rises year by year due to inflation but such charges or fees remain unchanged for years together. Now Govt. is dispensing with subsidies and in such scenario significance of costing increases. Proper costing may be done initially for social sector like education which is heavily subsidised. The scope of costing can be increased to cover all the other sectors on the basis of experience received from the social sector.

Impact:

The impact of such receipts fall on Non-tax revenue for both Central and State Governments. Hence it is one of the reasons for the non-tax revenue receipts of Govt. being less than the tax revenue over the years. This has given rise to a situation in which the rates of taxes as well as the coverage has increased in case of tax revenue while the non-tax revenue remained almost stagnant.

A major part of NTR is raised through the collection of user charges, which are administratively determined for the goods and services provided by the Government. Properly designed user charges can generate revenue without creating distortions in the economy.

Role of Audit:

Since concept of Audit have shifted from criticism to recommendations Audit may play a vital role in this aspect by way of in-depth study through Performance Audits.

संकाय स्तंभ (FACULTY COLUMN)

धोखाधड़ी त्रिकोण

अमेरिकी अपराध विज्ञानी, डोनाल्ड क्रेस्से ने लगभग २०० दोषी गवाहों का साक्षात्कार किया। इन साक्षात्कारों के आधारपर उन्होंने एक परिकल्पना का गठन किया। विश्वसनीय व्यक्ति विश्वास उल्लंघनकर्ता बन जाते हैं वह स्वयं को किसी वित्तीय समस्या से ग्रसित होने के रूप में देखता है। इस समस्या के संदर्भ में वह किसी से चर्चा नहीं कर सकता है। और वह सोचता है की गुप्त रूप से वित्तीय विश्वास का फायदा ले कर इस स्थिति का हल निकाला जा सकता है।

उन्होंने इस परिकल्पना को और परिशोधित किया और धोखाधड़ी त्रिकोण की अवधारणा का सृजन किया। धोखाधड़ी त्रिकोण की अवधारणा के अनुसार धोखाधड़ी तीन कारकों की वजह से हो सकती है -

- प्रेरक (Motive)
- अवसर (Opportunity)
- युक्तिकरण (Rationalization)

प्रेरक: प्रेरक एक तरह का व्यक्तिगत दबाव होता है समाज द्वारा अस्वीकार्य कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। व्यक्ति सोचता है की यह बात अपने दोस्तों और विश्वासपात्रों के साथ साझा करने योग्य नहीं है। “आदतन अपराधी” (Habitual Criminal) की विशेषता यह है की वह केवल चोरी करने के लिए चोरी करता है। उसके लिए कोई दबाव (Pressure) नहीं होता है। इस स्थिति के लिए मानसिक प्रेरणा (Psychotic Motivation) की आवश्यकता होती है जो अपेक्षाकृत दुर्लभ है। इसी कारण से आदतन अपराधियोंकी संख्या भी कम है। अहंकारपूर्ण प्रेरणाएं (Egocentric Motivation) लोगों को अधिक व्यक्तिगत प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए चोरी करने के लिए प्रेरित करती हैं। वैचारिक प्रेरणाएं (Ideological motivation) ऐसे लोगों द्वारा आयोजित की जाती हैं जो सोचते हैं कि उनका कारण नैतिक रूप से बेहतर है और उनके द्वारा किसी और को शिकार बनाना न्यायोचित हैं। हालांकि, आर्थिक उद्देश्य अन्य सभी की तुलना में व्यावसायिक धोखाधड़ी में कहीं अधिक सामान्य हैं।

अवसर: विश्वास का गुप्त रूप से उल्लंघन करके दबाव को दूर किया जा सकता है। यह करने के लिए आवश्यकता होती है अवसर की। विश्वास का उल्लंघन किसी भी प्रकार से किया जा सकता है जैसे की आंतरिक नियंत्रण नीतियों और प्रक्रियाओं की परिधि को लांघना, संगठन में किसी नियंत्रण के न होने का अनुचित लाभ उठाना या किसी नियंत्रण की कमी का लाभ उठाना इत्यादि।

युक्तिकरण: व्यक्ति धोखाधड़ी करने के लिए औचित्य (Justification) का उपयोग करता है इसे युक्तिकरण कहते हैं। धोखाधड़ी करने वाले अधिकांश व्यक्ति इस प्रकार का अपराध पहली बार कर रहे होते हैं। वे स्वयं को अपराधियों के रूप में नहीं बल्कि एक ऐसे साधारण, ईमानदार व्यक्ति के रूप में देखते हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों का शिकार हैं।

